



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. 2ND YEAR ASSIGNMENT

एम .ए. द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

last date of Submission: 15/05/2016

(जमा करने की अन्तिम तिथि. 15/05/2016)

Course Title: Trade and Urbanization in Ancient India

Course Code: MAHI06

कोर्स शीर्षक: प्राचीन भारत में व्यापार व शहरीकरण

कोर्स कोड: एमएएचआई06

Year: 2015-16

Maximum Marks: 40

सत्र- 2015.16

अधिकतमअंक- 40

Section 'A' contains 08 short answer type questions of 5 marks each. Learners are required to answers 4 questions only. Answers of short answer-type questions must be restricted to 250 words approximately.

भाग क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

Briefly discuss the following:

निम्न की संक्षेप में चर्चा कीजिए :

1. द्वितीय शहरीकरण
Second Urbanization
2. कुषाण काल में व्यापार एवं वाणिज्य
Trade and Commerce during Kushanas .
3. मौर्येत्तर काल के व्यापार पथ
Trade routes of post-Mauryan period
4. प्राचीन भारत में तौल एवं माप
Weight and measurement in ancient India
5. आहत मुद्राएँ
Punch marked coins.
6. प्राचीन साख पद्यति
Ancient credit system.
7. ई.पू. 600 से 319 ई. तक विदेशी व्यापार
Foreign trade from 600 B.C. to 319 A.D.
8. प्राचीन भारत में पशु पालन
Animal husbandry in ancient India.

Section 'B' contains 04 long answer-type questions of 10 marks each. Learners are required to answers 02 questions only.

भाग ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं ।

1. प्राचीन भारतीय व्यापार एवं शहरीकरण के अंतः संबंधों पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the inter-relation of trade and urbanization in ancient India.
2. प्राचीन भारत में विदेशी व्यापार पर चर्चा कीजिए।
Discuss about the foreign trade in ancient India.
3. गुप्तकाल में नगरीय केंद्रों के पतन पर चर्चा कीजिए ।
Discuss the decline of urban centers during Gupta period.
4. मौर्य-सातवाहनकालीन व्यापार एवं वाणिज्य पर चर्चा कीजिए ।
Discuss trade and Commerce during Mauryan-satavahan period.